भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या1902
दिनांक 11.03.2025 को उत्तरार्थ

पंचायतों का आकलन

†1902 श्री जिया उर रहमानः

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने पंचायतों की विकास स्थिति का समग्र और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन प्रदान करने, उनकी क्षमताओं और कमजोरियों को उजागर करने के लिए कोई पहल की है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पंचायती राज राज्य मंत्री
(प्रोफ. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ख) जी हाँ महोदय। मंत्रालय ने पंचायती राज संस्थाओं के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को स्थानीयकृत करने की प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें 17 एसडीजी को 9 प्रमुख विषयों में समेकित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर 2030 तक सतत विकास एजेंडा को प्राप्त करना है। विषयगत दृष्टिकोण स्थानीय शासन संरचनाओं के साथ वैश्विक लक्ष्यों के संरेखण को सरल बनाता है, जिससे उन्हें सामुदायिक स्तर पर कार्यान्वयन के लिए अधिक प्रासंगिक और कार्रवाई योग्य बनाया जायेगा।

पंचायत उन्नति सूचकांक (पीएआई), मंत्रालय की एक पहल है, जिसका उद्देश्य ग्राम स्तर की संस्थाओं द्वारा स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने में हुई प्रगति का मूल्यांकन और माप करना है, ताकि अंततः एसडीजी(SDG) 2030 को हासिल किया जा सके।यह सूचकांक एलएसडीजी के 9 विषयों में विभिन्न स्थानीय विकास संकेतकों पर आधारित है। पीएआई का एक उद्देश्य विभिन्न एलएसडीजी विषयों में प्राप्त अंकों के माध्यम से पंचायतों के विकास अंतराल की पहचान करना और जमीनी स्तर पर साक्ष्य आधारित योजना के लिए पंचायत को सक्षम बनाना है।

स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों (एलएसडीजी) के नौ विषयों में विषयगत अंक, ग्राम पंचायतों के समग्र पीएआई स्कोर के साथ, स्थानीय एसडीजी और अंततः एसडीजी प्राप्त करने की दिशा में उनकी प्रगति का आकलन करने में महत्वपूर्ण होंगे। समय के साथ पीएआई के परिणाम पंचायतों द्वारा प्राप्त अंकों के आधार पर वृद्धिशील प्रगति को दर्शाएंगे, जो एलएसडीजी को साकार करने की दिशा में उनकी प्रगति को उजागर करेंगे। बेसलाइन डेटा पीएआई स्थानीय लक्ष्य निर्धारित करने, कार्रवाई योग्य बिंदुओं की पहचान करने और बेहतर प्रदर्शन के लिए वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से साक्ष्य-आधारित पंचायत विकास योजनाओं की तैयारी को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

***